पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.08.2026 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु **खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया,** घन्टाघर, दिल्ली– 110007, **आई. एफ. एस. कोड** SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9810117464** पर एस.एम.एस कर दें या **9868051444** पर googlepay कर दें।

–अनिल आर्य

वर्ष-43 अंक-05 श्रावण-2083 दयानन्दाब्द 202 01 अगस्त से 15 अगस्त 2026 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.08.2026, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

गाजियाबाद में कन्या गुरुकुल का भव्य लोकार्पण समारोह

भारत विश्वगुरु की ओर है अग्रसर –डॉ. अशोक के. चौहान

कन्याओं की शिक्षा से दो परिवारों का निर्माण होता है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

गाजियाबाद,रविवार, 26 जुलाई 2026,मदन मोहन लाल एजुकेशन ट्रस्ट ग्राम जलालाबाद गंगनहर मुरादनगर में मदन मोहन लाल कन्या गुरुकुल का भव्य लोकार्पण समारोह डॉ. जयेंन्द्र आचार्य के ब्रह्मत्व में महायज्ञ से हुआ मुख्य यज्ञमान कर्म चंद शास्त्री एवं नर्मदा शास्त्री, विनोद अग्रवाल एवं मृदुल अग्रवाल रहे। यज्ञोप्रान्त उन्होंने प्रभु से उनके सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। कुशल मंच संचालन करते हुए उन्होंने मदन मोहनलाल कन्या गुरुकुल के अपार सहयोगीयों का आभार व्यक्त किया। समारोह का शुभारम्भ केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने ध्वजारोहण कर किया साथ में स्वामी आर्यवेश एवं प्रवीण आर्य रहे।अनिल आर्य ने कहा कि कन्याओं की शिक्षा से दो घरों का निर्माण होता है।बालिकाओं की शिक्षा के निर्माण से राष्ट्र की नींव मजबूत होती है। स्वर साम्राज्ञी संगीता आर्या 'गीत' एवं पुष्पा चुघ के आधुनिक साज बाज पर ईश्वर भक्ति के गीतों क़ो सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्य वेश ने कहा कि देश क़ो मानसिक गुलामी से मुक्त कराने के लिए गुरुकुल शिक्षा प्रणाली आवश्यक है।इसलिए हम आवासीय शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा दें यही एक सुन्दर विकल्प है। स्वामी कर्मवीर सिंह महाराज ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति की वैल्यू है तो वह संस्कारों के कारण है वह हमें गुरुकुलीय शिक्षा से मिलते हैं।लॉर्ड मैकाले ने हमारी गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति को ध्वस्त किया।अतः आज हमें इनका सहयोग करना चाहिए राष्ट्र निर्माण में इसकी बहुत ही उपयोगिता होगी। आर्य नेता आनन्द चौहान ने कहा इतना बड़ा जो एमिटी शिक्षण संस्थान आज है वह सब आर्य समाज की देन है डॉक्टर जयेंद्र जी को डॉक्टर अशोक चौहान और अमिता चौहान का आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमेशा मिलता रहेगा। डा.अशोक चौहान ने कहा कि भारत विश्वगुरु की ओर अग्रसर है आप अच्छा कार्य कर रहे हैं भगवान आपको लंबी आयु और अच्छा स्वास्थ्य देगा बड़े लक्ष्य बनाएं प्रभु पूर्ण करेगा और दुनियां आपके कार्यों से बदलेगी। बागपत क्षेत्र के सांसद डॉ राज कुमार सांगवान ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति गुरुकुलों के कारण जिवित है।दक्षिण अफ्रीका के दयानंद शर्मा ने कहा कि जंगल में मंगल हो गया। इस अवसर पर सर्वश्री कर्मचंद शास्त्री, कैप्टेन अशोक गुलाटी, नरेन्द्र विद्यालंकार,अमरजीत, विजय पाल कसाना, सत्यवीर चौधरी,नरेन्द्र पांचाल,पवन सिंघल,प्रिया श्रीवास्तव, ओम प्रकाश आर्य, इंद्रजीत भाटी, पवित्रा विद्यालंकार,विनोद वैशाली (चेयरमैन मोदीनगर) महेन्द्र भाई, सत्यकेतु सिंह, विदुषी संध्या शर्मा,डॉ बलविंदर शुक्ला,सुभाष गर्ग,राज सरदाना आदि ने भी गुरुकुल यह शिक्षा प्रणाली पर अपने विचार रखे। मुख्य रूप से सर्वश्री आर के गुप्ता,मृदुला चौहान, शशि गुप्ता, ममता चौहान,विश्व बंधु आर्य मंगल सिंह चौधरी,डॉ प्रमोद सक्सेना,सुभाष शर्मा,सुशील बंसल, कौशल्या देवी आर्या आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

देश भर में युवा संस्कार अभियान चलाया जाएगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

नई दिल्ली,रविवार,19 जुलाई 2026, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय दयानन्द भवन, आसिफ़ अली रोड, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों से प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह वर्ष आर्य समाज के विशिष्ट सन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द जी बलिदान शताब्दी वर्ष है इस वर्ष में सभी को संगठन को मजबूत बनाने के लिए कुछ विशेष कार्य करना है तथा श्रावणी पर्व पर युवा संस्कार अभियान 8 अगस्त से 16 अगस्त तक चलाना हे जिसके अंतर्गत यज्ञ भजन प्रवचन के कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर होंगे जिसमें यज्ञोपवीत धारण करवाये जायगी जिससे युवा अपनी पुरातन संस्कृति से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि आर्य समाज एक आन्दोलन है जिसका देश की आजादी में महत्व पूर्ण योगदान रहा है आर्य समाज के उद्देश्य आज भी प्रासांगिक हैं जिन्हें आम आदमी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई ने कहा कि युवाओं को आकर्षित करने के लिए युवक चरित्र निर्माण शिविरों का आयोजन किया जाता है। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने वैचारिक क्रांति का शंखनाद किया और लोगों के सोचने की दिशा बदल डाली। प्रांतीय मंत्री अरुण आर्य ने कहा कि मिशन 25 के अंतर्गत 12 से 25 वर्ष तक के युवाओं के आर्य समाज से जोड़ने का हमारा लक्ष्य है। प्रमुख रूप से प्रवीण आर्य (गाजियाबाद), संजीव चतरथ (शामली),अनुपम आर्य (हापुड़), सुरेश आर्य, रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड), डॉक्टर वीरपाल विद्यालंकर, धर्म पाल आर्य, हीरा प्रसाद शास्त्री, यशोवीर आर्य, रामकुमार आर्य, अरुण आर्य, डॉ प्रमोद सक्सेना, सुभाष शर्मा, यज्ञ वीर चौहान, ममता चौहान त्रिलोक शास्त्री, सुधीर बंसल (फरीदाबाद), कैप्टेन अशोक गुलाटी, मोहित आर्य (अलीगढ़), ज्ञान चंद शास्त्री (गया बिहार), कृष्ण लाल वैदिक, प्रकाश वीर शास्त्री आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 2020 से 796वां वेबिनार सम्पन्न

यजुर्वेद के महामृत्युंजय मन्त्र त्र्यंबक की व्याख्या पर गोष्ठी सम्पन्न

वेदों की रक्षा का संकल्प लें –हरिओम शास्त्री

सोमवार, 27 जुलाई 2026,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में यजुर्वेद के महामृत्युंजय मंत्र की व्याख्या ऑनलाइन आयोजित की गई।यह कोरोना काल से 796 वाँ वेबीनार था। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने यजुर्वेद के अध्याय 3 के 60 वें मंत्र मे महामृत्युंजय त्र्यंबक की प्रभु से विशेष प्रार्थना की व्याख्या करते हुए कहा कि इस मंत्र मे भक्त और नवविवाहिता युवती ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि हे त्र्यंबक प्रभु हम अपने जीवन को सुगंधित और पुष्टि हेतु आपका यजन करते हैं। जैसे पका हुआ खरबूजा या ककड़ी अपनी डाल से अपने–आप अलग हो जाता है ऐसे मुझे मृत्यु के बंधन से/इस मायके के बंधन से मुक्त कर दीजिए परंतु अमृत अर्थात् मोक्ष/ससुराल से नहीं।हम आर्य भी पौराणिकों की तरह आधा ही मंत्र बोलते हैं जो गलत है यह ऋषि दयानन्द और आर्य समाज के विचारों से विपरीत है। हमें पूरा मंत्र बोलकर जप करना चाहिए।तभी हम वेदों की रक्षा कर पाएंगे। मुख्य अतिथि ओम प्रकाश यजुर्वेदी व अध्यक्ष कुसुम भंडारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्या,मृदुल अग्रवाल, कमला हंस, संतोष धर, रविन्द्र गुप्ता, नरेश बत्रा आदि के मधुर भजन हुए।

125 वीं जयन्ती पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

समान आचार संहिता लागू करना डॉ.मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

राष्ट्रवाद के प्रहरी थे डॉ मुखर्जी –प्रवीण आर्य

सोमवार 6 जुलाई 2026, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 वें जन्मोत्सव पर ऑनलाइन विचार गोष्ठी का आयोजन करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश में समान आचार संहिता लागू करना ही डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज समान अचार संहिता लागू करना समय की आवश्यकता है, हमें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी जी धारा 370 के बाद इस पुनीत कार्य को भी अपने कर कमलों से करके इतिहास बनाएंगे उन्होंने कहा कि आर्य समाज समान आचार संहिता का पुरजोर समर्थन करता है। एक देश में एक समान कानून लागू होने ही चाहिए। डॉ. मुखर्जी अखण्ड भारत के स्वप्न द्रष्टा थे, उन्होंने उस समय जम्मू कश्मीर की परमिट परिपाटी के विरुद्ध संघर्ष का सिंहनाद किया था। उन्होंने राष्ट्र को सन्देश दिया कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे। वे जम्मू कश्मीर को भारत का अविभाज्य अंग बनाने के लिए बलिदान हो गए। उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धारा 370 व 35 ए समाप्त करके दी गयी है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम आयु के उपकुलपति बने, उन्होंने पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं की रक्षा के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के अत्यन्त प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। उनके पिता भी सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे एवं शिक्षाविद् के रूप में विख्यात थे। अपने पिता का अनुसरण करते हुए उन्होंने भी अल्पायु में ही विद्याध्यन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएँ अर्जित कर लीं व 33 वर्ष की अल्पायु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए अपना बलिदान दिया,उनके कार्य सदियों तक आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे।वह राष्ट्र वाद के सच्चे प्रहरी थे। आचार्य महेन्द्र भाई ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेने का आह्वान किया। आर्य नेता ओम सपरा ने आभार व्यक्त करते हुए डॉ.मुखर्जी को राष्ट्रवाद का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर आज चलने की आवश्यकता है तभी हम राष्ट्रीय एकता अखंडता को मजबूत रख सकते हैं।

श्रावणी पर युवा संस्कार अभियान

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में **श्रावणी पर्व** पर **शनिवार दिनांक 8 अगस्त से रविवार 16 अगस्त 2026** तक **युवा संस्कार अभियान** चलाया जाएगा। मिशन 25 के अन्तर्गत लक्ष्य है 12 वर्ष से 25 वर्ष तक के युवाओ को आर्य समाज के साथ जोड़ना इसमें **यज्ञ, भजन, प्रवचन के कार्यक्रम रहेंगे** और **यज्ञोपवीत** दिए जाएंगे अपने क्षेत्र में य़ह 2 घंटे के कार्यक्रम अवश्य रखे।

1. **शनिवार, 08 अगस्त 2026, प्रातः 8.00 बजे**
स्थानः आर्य सामज जानीपुर कॉलोनी, जम्मू,
संयोजक–सुभाष बब्बर, कपिल बब्बर
2. **शनिवार, 08 अगस्त 2026, प्रातः 10.00 बजे**
स्थानः बाल विकास कान्वेन्ट स्कूल, साई नगर, मीठापुर, बदरपुर, नई दिल्ली, संयोजक–आशुतोष आर्य, राजपूत सर जी
3. **शनिवार, 08 अगस्त 2026, प्रातः 9 बजे**
स्थानः आदर्श पब्लिक स्कूल मकनपुर, इन्द्रिरा पुरम, गा.
आयोजक– श्री सुबोध कुमार एवं ममता चौहान
4. **रविवार, 09 अगस्त 2026, सुबह 11 बजे**
स्थानः शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोलपुरी, दिल्ली–83
संयोजक– दशरथ भारद्वाज
5. **रविवार, 09 अगस्त 2026, प्रातः 9.00 बजे**
स्थानः आर्य समाज वजीरपुर, जे.जे. कॉलोनी, दिल्ली–52
संयोजक–प्रेमपाल शास्त्री, संतोष शास्त्री, वीरेश आर्य
6. **रविवार, 09 अगस्त 2026, प्रातः 9.00 बजे**
स्थानः समर्पण शोध संस्थान, सैक्टर–5, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश, संयोजक– सुरेश आर्य, कृष्ण कुमार यादव
7. **रविवार, 09 अगस्त 2026, सुबह 09 बजे**
स्थानः ग्राम नदौना, जिला–हाथरस, आयोजक– श्री जितेन्द्र आर्य एवं केदारनाथ आर्य, व्यवस्थापक–श्री भगवती प्रसाद, प्रेमपाल एवं वीरपाल
8. **रविवार, 09 अगस्त 2026, प्रातः 09 बजे**
स्थानः आर्य समाज नगरोटा, जिला–कांगड़ा, हि.प्रदेश, आयोजक– श्री राकेश आर्य एवं श्री कमल आर्य, व्यवस्थापक–श्री संजय नागपाल
9. **रविवार, 09 अगस्त 2026, प्रातः 06 बजे**
स्थानः ईमाइलपुर, दुर्गा बिल्डर, योगा ग्राउंड, फरीदाबाद, हरियाणा
आयोजक– आशुतोष आर्यन, अनिल त्रिपाठी
10. **सोमवार, 10 अगस्त 2026, प्रातः 6.00–7.30 बजे तक**
स्थानः छतरी वाला पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032
संयोजक– महेश शर्मा, अजय चौधरी, सत्यनारायण बंसल
11. **मंगलवार, 11 अगस्त 2026, प्रातः 8.00 बजे**
स्थानः आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली–110007
संयोजक–देवेन्द्र भगत, रामचन्द्र सिंह, सुनील खुराना
12. **मंगलवार, 11 अगस्त 2026, सुबह 11 बजे**
स्थानः ए ब्लॉक, मंगोलपुरी, दिल्ली, आयोजक– राधा भारद्वाज
13. **बुधवार, 12 अगस्त 2026, प्रातः 9.30 बजे**
स्थानः श्रद्धा मन्दिर स्कूल, महर्षि दयानन्द रोड,
सैक्टर–87, फरीदाबाद, संयोजक–डॉ. गजराज सिंह आर्य
14. **बुधवार, 12 अगस्त 2026, प्रातः 10.00 बजे**
स्थानः सरस्वती संगीत विद्यालय, गली न. 2, रतन सिंह मार्ग, मीठापुर चौक, बदरपुर, नई दिल्ली, संयोजक–रोहित, आशुतोष आर्य
15. **गुरुवार, 13 अगस्त 2026, प्रातः 9.30 बजे**
स्थानः विजय हाई स्कूल, सिक्का कॉलोनी, सोनीपत
संयोजक– जितेन्द्र चावला, शालिनी चावला
16. **शुक्रवार, 14 अगस्त 2026, सायं 5.00–6.30 बजे तक**
स्थानः आर्यन क्लासिज 500/1, गली नम्बर 5, विश्वास नगर, दिल्ली–110032, संयोजक– महेश भार्गव
17. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, प्रातः 9.00 बजे**
स्थानः एम्बिशन डांस एकेडमी, विनय नगर, फरीदाबाद
संयोजक–आशुतोष आर्य
18. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, प्रातः 10.00 बजे**
स्थानः आर्य समाज आवास विकास मेरठ रोड, हापुड़
संयोजक–विनय व्रत आर्य, अनुपम आर्य
19. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक**
स्थानः आर्य समाज सूर्य निकेतन, पूर्वी दिल्ली,
आयोजक– यशोवीर आर्य
20. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, प्रातः 9 बजे**
स्थानः आर्य समाज, गांव–बहराबाद,
डाकखाना–अतरौली, जिला–आगरा, उत्तर प्रदेश,
आयोजक– श्री प्रदीप कुमार एवं भुपनेश कुमार,
व्यवस्थापक–श्री सुशील कुमार एवं रूपेन्द्र कुमार
21. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, प्रातः 9 बजे**
स्थानः चाहड़ी, मोहलकड़, पंचायत घर,
त.– नगरोटा, बगवां, जिला–कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश,
आयोजक– श्री कमल आर्य एवं श्यामा आर्य,
व्यवस्थापक– श्री कश्मीर धीमान एवं वीणा धीमान जी
22. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, प्रातः 10 बजे**
स्थानः टीनू पब्लिक स्कूल, संगम विहार, दक्षिणी दिल्ली
संयोजक– रामफल खरब, देवदत्त आर्य
23. **शनिवार, 15 अगस्त 2026, प्रातः 9 बजे**
स्थानः आर्य समाज गुड़मंडी, दिल्ली–110007
संयोजक– वीरेन्द्र आहूजा, विमल आहूजा
24. **रविवार, 16 अगस्त 2026, प्रातः 8.00 बजे**
स्थानः आर्य समाज सन्देश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली–110034
संयोजक– दुर्गेश आर्य, डॉ. विशाल आर्य , वरूण आर्य
25. **रविवार, 16 अगस्त 2026, दोपहर 2.30 – 3.30 बजे**
स्थानः आर्य समाज मन्दिर, स्वामी श्रद्धानन्द पार्क,
भलस्वा डेयरी, दिल्ली–110042, संयोजक– नन्दलाल शास्त्री
26. **रविवार, 16 अगस्त 2026, प्रातः 8.00 बजे**
स्थानः आर्य समाज देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली–110005
संयोजक–सुशील बाली, रोहित कुमार सिंह (शिक्षक)
27. **रविवार, 16 अगस्त 2026, प्रातः 9.00 बजे**
स्थानः बी–43/1, पूर्वी ज्योति नगर, दिल्ली–110053
संयोजक–रामकुमार सिंह, वेद प्रकाश सिंह आर्य,
धीर सेन मलिक (प्रधान)
28. **रविवार, 16 अगस्त 2026, प्रातः 8.00 बजे**
स्थानः शम्भूदयाल दयानन्द सन्यास आश्रम, गाजियाबाद
संयोजक–प्रवीण आर्य, जितेन्द्र आर्य, सौरभ गुप्ता
29. **रविवार, 16 अगस्त 2026, प्रातः 10.00 बजे**
स्थानः खाटूश्याम स्टडी पाईन्ट, गली न. 5, बी ब्लॉक,
साई नगर, स्कूल नम्बर 1 के पास, बदरपुर,
नई दिल्ली–110044
संयोजक–आशुतोष आर्य, रोहित, अंकित, पलक, शिवांगी
30. **रविवार, 16 अगस्त 2026, प्रातः 9.30 बजे**
स्थानः आर्य समाज एन 22, मुखर्जी नगर, दिल्ली
संयोजक–ओम सपरा, गोपाल आर्य,
31. **सोमवार, 17 अगस्त 2026, प्रातः 9 बजे**
स्थानः गांव + डाकखाना–भरम, जिला–सोनीपत
मणिपुर, प्रदेश
आयोजक– धर्म युद्ध पंडित धर्म प्रकाश आर्य

निवदेकः–

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य	सौरभ गुप्ता	रामकुमार सिंह	अरूण आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महासचिव	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय संगठन मन्त्री	प्रदेश संचालक	प्रदेश महामन्त्री

दिल्ली चलो दिल्ली दिल्ली चलो दिल्ली दिल्ली चलो दिल्ली

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 48वे स्थापना दिवस के अवसर पर

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी समारोह

रविवार 6 सितम्बर 2026 प्रातः 9 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक

स्थानः श्री बृज मोहन मुंजाल सभागार, आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट –1, नई दिल्ली

प्रीति भोज दोपहर 2.00 बजे। आप सादर आमंत्रित हैं।

भवदीयः– आनन्द चौहान संरक्षक | राजेन्द्र वर्मा स्वागताध्यक्ष | अरूण बहल स्वागत मन्त्री | अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष | महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामन्त्री | धर्मपाल आर्य कोषाध्यक्ष | सौरभ गुप्ता संगठन मन्त्री

29वें कारगिल विजय दिवस पर श्रद्धांजलि

भारतीय सेना का बलिदान सदियों तक प्रेरणा देगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 26 जुलाई 2026,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 29 वें कारगिल विजय दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन कर कारगिल के भारतीय सेना के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कारगिल युद्ध की बलिदान गाथा सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं भारतीय सेना का यह बलिदान आने वाली पीढ़ी को सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा। आज हमारे ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महाशक्ति बनने की ओर निरन्तर अग्रसर हो रहा है साथ ही हमारी सेना आधुनिक व सशक्त हो रही है।जिससे भारत की और कोई आंख उठाकर न देख सके।उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक नागरिक का सैनिकीकरण आवश्यक हो गया है।युवाओ को सेना में भर्ती होना चाहिए जिससे राष्ट्र मजबूत हो अग्निवीर योजना को सफल बनाना ही कारगिल के शहीद सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने युवकों को देश भक्ति की भावना से ओत प्रोत करने पर बल दिया।हमें अपनी भारतीय सेना पर गर्व है जो लोग भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं वह क्षमा योग्य नहीं हो सकते। मुख्य अतिथि महेन्द्र भाई व अध्यक्ष ओम सपरा ने भी शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।उल्लेखनीय है कि यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे। गायिका कौशल्या अरोड़ा पिंकी आर्या,जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया कमला हंस नताशा कुमार,रविन्द्र गुप्ता आदि ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाये।

'तैत्तिरीयोपनिषद् में दर्शन' विषय पर गोष्ठी का आयोजन

उपनिषदों में है ज्ञान का महासागर –डॉ. रामचन्द्र

सोमवार, 27 जुलाई 2026,वैदिक प्रवक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. रामचन्द्र ने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा वेद से प्रारंभ होकर उपनिषदों तक ज्ञान गंगा की तरह प्रवाहित होकर महासागर में परिणत हो जाती है। भारत के संतों , महात्माओं और ऋषियों ने अरण्य में गुरु शिष्य परम्परा के माध्यम से एकांत साधना के द्वारा जीवन में उन्नति के जिन सूक्ष्म रहस्यों को आत्मसात किया उन्हें उपनिषदों के माध्यम से प्रकट किया गया है। ग्यारह प्रमुख उपनिषदों के क्रम में तैत्तिरीयोपनिषद् का स्थान अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस उपनिषद् में तीन वल्ली (अध्याय) हैं – शिक्षा वल्ली, ब्रह्मानन्द वल्ली और भृगु वल्ली। शिक्षा वल्ली में पांच महासंहिताओं का वर्णन किया गया है। अधिलोक, अधिज्योतिष, अधिविद्य, अधिप्रज और अध्यात्म नाम की इन महा संहिताओं में समाज, ब्रह्मांड, शिक्षा एवं जीवन की उन्नति के कालजयी सूत्र दिये गए हैं। ऋग्वेद यजुर्वेद एवं सामवेद के सार के रूप में भूर्भुवः स्वरू रूप व्याहृति उत्पन्न हुई और उनके सार के रूप में ओ३म् प्रकट हुआ इसलिए यह ईश्वर का सबसे महत्वपूर्ण नाम है। उपनिषद के अनुसार ईश्वर के दर्शन हृदय मंदिर में होते हैं। मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्यदेवो भव एवं अतिथिदेवो का महान उपदेश भी यहीं पर दिया गयाहै। ब्रह्मानन्द वल्ली में ब्रह्म को सत्य, ज्ञान, अनन्त और आनन्द के रूप में बताया गया है। अन्न को सर्वोषधि बताते हुए उसकी अभी निंदा न करने का उपदेश दिया गया है। ब्रह्म के सत् एवं असत् स्वरुप का भी बहुत गंभीर विवेचन यहां पर मिलता है। शिक्षा वल्ली पुत्र भृगु एवं पिता वरुण के संवाद के माध्यम से पंचकोश की अद्भुत चर्चा की गई है। अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय एवं आनन्दमय कोश की चर्चा के माध्यम से मनुष्य जीवन की सर्वोच्च सार्थकता का बहुत सुंदर वर्णन है। इससे व्यक्ति अपनी पहचान किसी बड़े या छोटे पद से नहीं समझता अपितु मनुष्य होना स्वयं में सबसे बड़ी उपलब्धि है – यह दृष्टि समझ में आती है। मुख्य वक्ता ने कहा कि गत हजारों वर्षों से उपनिषदों के ज्ञान ने पूरी मानवता को आलोकित किया है। उपनिषदों के अध्ययन से सृष्टि के रहस्य स्पष्ट होते हैं और जीवन की सभी समस्याओं के समाधान भी प्राप्त होते हैं। उनके अध्ययन से संपूर्ण ब्रह्मांड आपके किसी एक विशेष ध्येय के लिए साधन बन जाता है और आप स्वयं में कृतकृत्यता की अनुभूति करते हैं। व्यक्ति के लिए संसार की प्रत्येक वस्तु ब्रह्म से अनुप्राणित हो जाती है और वह सांसारिक क्लेश एवं तनाव से मुक्त होकर अत्यंत सहजतापूर्वक जीवन के उद्देश्य को प्राप्त कर लेता है। डॉ रामचन्द्र ने कहा कि उपनिषदों का अध्ययन संसार की समस्त समस्याओं के समाधान में सबसे महत्वपूर्ण प्रकाश स्तंभ सिद्ध हो सकता है। मुख्य अतिथि डॉ.अल्का आर्य (निदेशक दिल्ली विकास प्राधिकरण) व अध्यक्ष ओम सपरा (पूर्व मेट्रो पोलेटिन मजिस्ट्रेट) ने भी अपने विचार व्यक्त किए, परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा , जनक अरोड़ा , कमला हंस प्रवीना ठक्कर , सुधीर बंसल आदि ने मधुर भजन सुनाए

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970